UP Board Class 6 Geography Notes Chapter 6 पृथ्वी के परिमंडल

पृथ्वी के परिमंडल

1) भूमंडल
2) महाद्वीप
3) जलमंडल
4) सागर
5) वायुमंडल

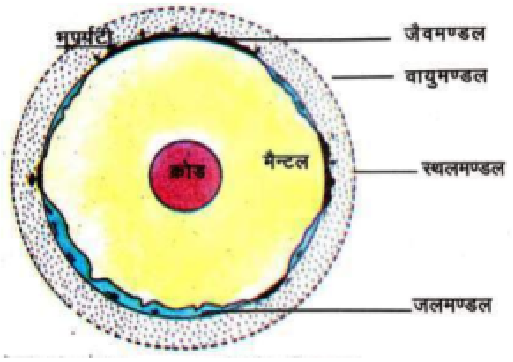

स्थलमंडल

लिथोस्फीयर शब्द ग्रीक शब्द लिथोस ("पत्थर") और स्पैरा ("गोला") से आया है । लिथोस्फीयर को स्थलमंडल कहा जाता है।

पृथ्वी ग्रह की सबसे ठोस और सतही परत को स्थलमंडल कहते हैं। यह पृथ्वी की पपड़ी और पृथ्वी के मेंटल की ऊपरी परत से बनी है, और ग्रह की सबसे ठंडी सतह है, जिस पर सभी जीवित प्राणी रहते हैं।

दूसरे शब्दों पृथ्वी की वह सतह जिस पर हम रहते हैं उसे स्थलमंडल कहा जाता है।

स्थलमंडल विभिन्न खण्डों से मिलकर बना हुआ है, जिन्हें टेक्टोनिक प्लेट्स (या लिथोस्फेरिक प्लेट्स) के रूप में जाना जाता है और इस पर पृथ्वी की पपड़ी पाई जाती है। ये प्लेटें साल में कुछ सेंटीमीटर हिलती डुलती हैं, जिसके कारण इन प्लेटों में घर्षण या अलगाव हो सकता है|

इन प्लेटों के टकराने और अलग होने से पहाड़, नदियां, मैदान आदि क्षेत्र बनते हैं, और भूकंप तथा ज्वालामुखी जैसी घटनाएं भी उत्पन्न होती हैं।

स्थलमंडल दो प्रकार के होते हैं:

महाद्वीपीय स्थलमंडल
यह महाद्वीपीय क्रस्ट (अर्थात महाद्वीपों) और पृथ्वी के मेंटल के सबसे बाहरी क्षेत्र से बना है। यह ज्यादातर ग्रेनाइट-प्रकार के पत्थरों से बना है और लगभग 120 किमी मोटा है।

महासागरीय स्थलमंडल
यह पृथ्वी की पपड़ी का वह हिस्सा है जो समुद्र तल का निर्माण करता है। यह महाद्वीपीय परत की तुलना में बहुत पतली परत है और ज्यादातर बेसाल्टिक चट्टानों से बनी है। इसकी मोटाई लगभग 65 किमी है|

महाद्वीप का नाम	क्षेत्रफल करोड़ वर्ग किमी०
एशिया	4.38
अफ्रीका	3.04
उत्तरी अमेरिका	2.45
दक्षिणी अमेरिका	1.78
अंटार्कटिका	1.37
यूरोप	1.02
आस्ट्रेलिया	0.90

एशिया महाद्वीप

एशिया या जम्बुद्वीप आकार और जनसंख्या दोनों ही दृष्टि से विश्व या दुनिया का सबसे बड़ा महाद्वीप है, जो उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। पश्चिम में इसकी सीमाएं यूरोप से मिलती हैं, हालाँकि इन दोनों के बीच कोई सर्वमान्य और स्पष्ट सीमा नहीं निर्धारित है। एशिया और यूरोप को मिलाकर कभी-कभी यूरेशिया भी कहा जाता है।

अफ्रीका महाद्वीप

अफ्रीका महाद्वीप का कुल क्षेत्रफल 30,370,000 वर्ग किलोमीटर है। यह क्षेत्रफल और जनसंख्या की दृष्टि से एशिया के पश्चात् विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। इसे अंध महाद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। यह विश्व के सर्वाधिक देशों वाला महाद्वीप है।

उत्तरी अमेरिका महाद्वीप

उत्तरी अमेरिका महाद्वीप, संयुक्त राज्य अमरीका का उत्तरी महाद्वीप है, जो पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में स्थित है। यह पूर्ण रूप से पश्चिमी गोलार्ध में आता है। उत्तरी अमेरिका महाद्वीप उत्तर में आर्कटिक महासागर, पूर्व में उत्तरी अन्ध महासागर, दक्षिण पूर्व में कैरिबियाई सागर, और पश्चिम में उत्तरी प्रशान्त महासागर से घिरा हुआ है।

उत्तरी अमेरिका महाद्वीप का कुल भू भाग 2,47,09,000 वर्ग किलोमीटर है। यह पृथ्वी की कुल सतह का 4.8% या कुल भू भाग का 16.5% है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह एशिया और अफ़्रीका के बाद विश्व का तीसरा सबसे बड़ा और जनसंख्या की दृष्टि से यह एशिया, अफ़्रीका, और यूरोप के बाद चौथा सबसे बड़ा महाद्वीप है।

दक्षिण अमेरिका महाद्वीप

दक्षिण अमेरिका महाद्वीप (South America Continent) धरती के पश्चिमी गोलार्ध में स्थित है और नार्थ अमेरिका महाद्वीप के दक्षिण पूर्व में स्थित है दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में कुल देशों की संख्या 12 है और दो ऐसे भी प्रदेश है फ्रेंच गुयाना, फ्रांस के अधीन और फॉकलैंड आइलैंड, यूनाइटेड किंगडम के अधीन है।

https://www.evidyarthi.in/

साउथ अमेरिका महाद्वीप को लैटिन अमेरिका के नाम से भी जाना जाता है हालाकिं लैटिन अमेरिका में मेक्सिको, सेंट्रल अमेरिका, और कैरिबियाई द्वीप भी शामिल है तो चलिए आज के इस आर्टिकल में हम जानेंगे की दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में कितने देश है साथ में इनके राजधानी, एवं मुद्रा क्या है।

यूरोप महाद्वीप

यूरोप दूसरा सबसे छोटा महाद्वीप है । केवल ओशिनिया का भूभाग कम है। यूरोप पश्चिम में आइसलैंड के द्वीप राष्ट्र से पूर्व में रूस के यूराल पर्वत तक फैला हुआ है। यूरोप का सबसे उत्तरी बिंदु नॉर्वे का स्वालबार्ड द्वीपसमूह है , और यह दक्षिण में ग्रीस और माल्टा के द्वीपों तक पहुंचता है।

यूरोप को कभी-कभी प्रायद्वीपों के प्रायद्वीप के रूप में वर्णित किया जाता है। एक प्रायद्वीप भूमि का एक टुकड़ा है जो तीन तरफ से पानी से घिरा हुआ है। यूरोप यूरेशियन सुपरकॉन्टिनेंट का एक प्रायद्वीप है और उत्तर में आर्कटिक महासागर, पश्चिम में अटलांटिक महासागर और दक्षिण में भूमध्यसागरीय, काला और कैस्पियन समुद्र से घिरा है।

यूरोप के मुख्य प्रायद्वीप दक्षिणी यूरोप में स्थित इबेरियन, इतालवी और बाल्कन और उत्तरी यूरोप में स्थित स्कैंडिनेवियाई और जटलैंड हैं। इन प्रायद्वीपों के बीच की कड़ी ने पूरे दर्ज इतिहास में यूरोप को एक प्रमुख आर्थिक , सामाजिक और सांस्कृतिक शक्ति बना दिया है।

यूरोप के भौतिक भूगोल , पर्यावरण और संसाधनों और मानव भूगोल को अलग-अलग माना जा सकता है।

यूरोप को चार प्रमुख भौतिक क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है , जो उत्तर से दक्षिण की ओर चल रहे हैं: पश्चिमी उच्चभूमि, उत्तरी यूरोपीय मैदान , केंद्रीय उच्चभूमि और अल्पाइन पर्वत।

अंटार्कटिका महाद्वीप

अंटार्कटिका (या अन्टार्टिका) पृथ्वी का दक्षिणतम महाद्वीप है, जिसमें दक्षिणी ध्रुव अंतर्निहित है।

यह, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका के बाद, पृथ्वी का पांचवां सबसे बड़ा महाद्वीप है, अंटार्कटिका का 98% भाग औसतन 1.6 किलोमीटर या इससे भी मोटी बर्फ से आच्छादित है।

‘पॉल्मर प्रायद्वीप’ गर्मी में बर्फ से कुछ हद तक मुक्त होता है। यह प्रायद्वीप दक्षिणी अमेरिका के हॉर्न अंतरीप (Cape Horn) की ओर बढ़ा हुआ है।

इस महाद्वीप की खोज का सर्वप्रथम प्रयास जेम्स कुक ने किया था, कई लोग इस महाद्वीप की खोज का श्रेय जेम्स कुक को ही देते है। परन्तु अंटार्कटिक वृत्त पार करने के बावजूद भी वे इसकी मुख्य भूमि तक नहीं पहुँच पाए थे।

इस महाद्वीप की मुख्य भूमि की खोज करने वाला व्यक्ति वेलिंग शॉसेन (रूसी शाही नौसेना का एक कप्तान) को माना जाता है, जो 1820 ई. में वोस्टॉक नामक जहाज पर सवार होकर यहां पहुँचा था।

क्षेत्रफल – लगभग 1,40,00,000 वर्ग किमी.

जनसंख्या – 5000 (अस्थाई रूप से रहने वाले शोधकर्त्ता, वैज्ञानिक एवं उनके सहयोगी)

ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप

पूरी दुनिया में कुल सात महाद्वीप है. ऑस्ट्रेलिया उनमे से महाद्वीप एक है। इस महाद्वीप को ओशेनिया के नाम से भी जाना जाता है। क्षेत्रफल की दृष्टि से ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप सबसे छोटा महाद्वीप है और साथ ही अगर ऑस्ट्रेलिया को द्वीप माना जाय तो ये दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप भी है ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है और प्रशांत महासागर और हिन्द महासागर से घिरा हुआ है।

इसके उत्तर में इंडोनेशिया, पूर्वी तिमोर और पापुआ न्यू गिनी, उत्तर पूर्व में सोलोमन द्वीप, वानुअतु और न्यू कैलेडोनिया जबकि दक्षिण पूर्व में न्यूज़ीलैंड स्थित है। इसे द्वीपीय महाद्वीप भी कहा जाता है।

इस महाद्वीप का कुल क्षेत्रफल 8,486,460 वर्ग किलोमीटर है। जो की विश्व का क्षेत्रफल का 5.9 प्रतिशत है और जनसँख्या लगभग 4 करोड़ 38 लाख है। जो विश्व की जनसंख्या का केवल 0.54 प्रतिशत ही है। जिसमे अकेले ऑस्ट्रेलिया देश की जनसंख्या ही 2 करोड़ 61 लाख है।

इस महाद्वीप का सबसे बड़ा देश ऑस्ट्रेलिया है। जो की पुरे महाद्वीप का 86 प्रतिशत क्षेत्रफल में फैला हुआ है। साथ में ऑस्ट्रेलिया दुनिया का छठवां सबसे बड़ा देश भी है।

इस महाद्वीप में मुख्य तौर पर ईसाई धर्म को फॉलो किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया के शहर सिडनी और मेलबोर्न विश्व के प्रमुख आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के तौर पर जाना जाता है। ऑस्ट्रेलिया विश्व का 12वां सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। और सिडनी, ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा शहर है, एवं इसकी जनसंख्या 46 लाख है।

जलमंडल

जलमंडल का अर्थ – जलमंडल से हमारा तात्पर्य जल की उस परत से है. जो पृथ्वी की सतह पर सागर, महासागर, झील, नदियाँ तथा दुसरे जलाशय के रूप में फैली है. हमारी पृथ्वी की सतह सम्पूर्ण के सम्पूर्ण क्षेत्रफल के 71% भाग में जल का विस्तार पाया जाता है. सौरमंडल के ग्रहो में एकमात्र पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह है. जिसमे जल पाया जाता है. इसलिए पृथ्वी को जलीय ग्रह भी कहा जाता है.

क्रमांक	महासागर का नाम	क्षेत्रफल (करोड़ वर्ग किमी0)
1.	प्रशान्त महासागर	16.5
2.	अटलाण्टिक महासागर	8.2
3.	हिन्द महासागर	7.3
4.	आर्कटिक महासागर	1.4
5.	दक्षिणी महासागर	0.2

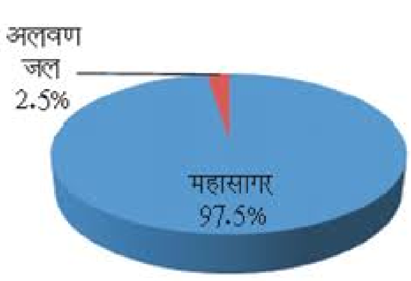

https://www.evidyarthi.in/

जल चक्र

जल चक्र एक पर्यावरणीय घटना है जिसमें तीन प्रक्रियाएँ, वाष्पीकरण, संघनन और वर्षा होती हैं। बच्चों को स्कूल में जल चक्र घटना के बारे में पढ़ाया जाता है। लेकिन अगर आपका बच्चा जिज्ञासु है और आपसे पानी के चक्र या पानी के विभिन्न रूपों के बारे में अलग-अलग सवाल पूछता है, तो हमारे पास वह सारी जानकारी है जो आपको उसे सबसे सरल तरीके से समझाना है।

सूर्य की गर्मी के कारण पृथ्वी पर विभिन्न जल निकायों का पानी वाष्पित हो जाता है। वाष्प के रूप में पानी एक निश्चित ऊंचाई पर ठंडा होता है और बादलों के रूप में संघनित होता है। पानी बादलों को बनाने के लिए संघनित रहता है, लेकिन जब बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, तो बादल भारी हो जाते हैं और फिर बारिश, बर्फ या ओलों के रूप में पानी आकाश से पृथ्वी पर गिरता है। यह पानी फिर महासागरों, झीलों, या तालाबों में एकत्रित हो जाता है। नियत समय में, यह पानी फिर से पूरे चक्र को आरंभ करते हुए वाष्पित हो जाता है।

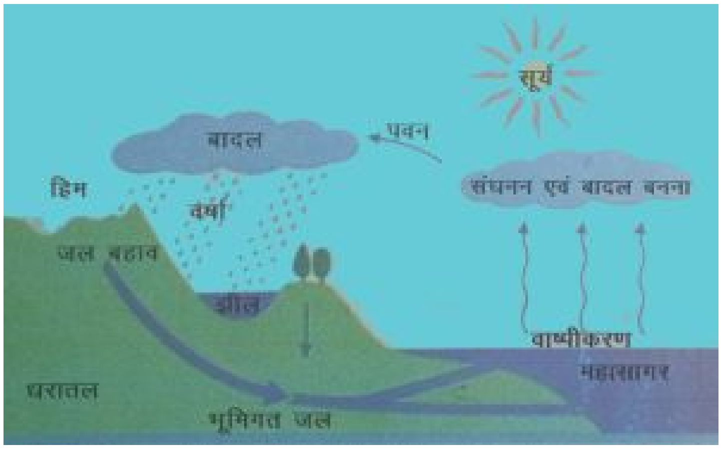

वायुमंडल

हमारी धरती के चारों ओर वायु का विशाल आवरण पाया जाता है जिसने सम्पूर्ण धरती को ढ़का हुआ है। वायु के इस विशाल आवरण को ही वायुमंडल (atmosphere) कहा जाता है। वास्तव में वायुमंडल धरती को चारों ओर से कंबल की भांति लपेटे हुए है जो की धरती पर जीवन के लिए विभिन स्थितियों के लिए आवश्यक है। वायुमंडल विभिन प्रकार की गैसों का मिश्रण है जो की धरती पर तापमान संतुलन, मौसमी घटनाओ, ग्रीनहाउस प्रभाव, पराबैंगनी किरणों से रक्षा एवं विभिन प्राकृतिक क्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण तत्त्व है। पृथ्वी पर वायुमंडल पृथ्वी द्वारा आरोपित गुरुत्वाकर्षण बल के कारण संलग्न होता है जिससे की वायुमंडल में विभिन गैसें स्थिर रह पाती है।

जैवमण्डल

जैवमंडल एक जीवनदायी अथवा जीवन पोषक परत होती है , जो पृथ्वी के चारों ओर व्याप्त रहती है। दुसरे शब्दों में हम कह सकते है कि जैव मंडल सामान्य रूप में पृथ्वी की सतह के चारों तरफ व्याप्त एक आवरण है जिसके अंतर्गत पौधों और जंतुओं का जीवन बिना किसी रक्षक साधन के सम्भव होता है। टाइवी (1982) के अनुसार जीव जगत अथवा जैवमण्डल पृथ्वी का वह भाग है जिसमे जीवित जीव होते है। पृथ्वी के समस्त जीवित जीवधारी और वे पर्यावरण , जिनमें इन जीवो की पारस्परिक क्रिया होती है , मिलकर जैव मंडल की रचना करते है। स्पष्ट है कि जैव मण्डल के अंतर्गत समस्त जीव (जैविक संघटक) और भौतिक पर्यावरण (अजैविक / भौतिक संघटक) को शामिल किया जाता है। इस जैवमंडल में जीवित जिवधारियों (जैविक संघटक) और भौतिक पर्यावरण (अजैविक संघटक) के मध्य और जीवित जीवधारियों के बीच सतत अंतर्क्रिया होती रहती है।

https://www.evidyarthi.in/